आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 48 लखनऊ, रविवार 28 मार्च से 06 अप्रैल, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

चार साल में हमारी सरकार ने ४० लाख गरीबों को आवास दिया : योगी

लखनऊ/बहराइच। महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और हिंदू शौर्य के प्रतीक महापुरुषों का जिक्र कर लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ा। उन्होंने कहा कि चार साल में उनकी सरकार ने ४० लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराए हैं। सीएम ने ३३४ करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री सुबह साढ़े दस बजे हेलीकाप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे और कार से कार्यक्रम स्थल केडीसी तिराहा पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने महाराणा प्रताप की अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण किया। ठाकुर हुकुम सिंह किसान महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि चार वर्ष में गरीबों को उपचार के लिए नौ सौ करोड़ रुपये दिए गए। आयुष्मान भारत के तहत गरीबों को फ्री में जोडने की सुविधा दी जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात में गोरखपुर से लेकर

बहराइच तक दिमागी बुखार से हजारों मौतें होती थीं। अब ६५ प्रतिशत मौतों पर काबू पा लिया गया है। बीमारी फैलने का कारण केवल गंदगी और अशुद्ध पेयजल था। जल जीवन मिशन के तहत पाइप पेयजल योजना से लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया कराया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप, राजा सुहेलदेव, छत्रपति शिवाजी, गुरुगोविंद सिंह, बिरसा मुंडा, नागालैंड की रानी गाइदिल्यू, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, अवंतीबाई, झलकारीबाई, ऊदा देवी का जिक्र कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने केवी इंटर कलेज में राजा पयागपुर स्व. रुद्रेंद्र विक्रम सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते हुए उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने ४६ करोड़ रुपये का व्यवसाय किया और दो करोड़ रुपये का लाभ कमाया। ऐसी योजनाओं का लाभ यहां की महिलाओं को भी उठाना चाहिए। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी को होली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रंगों के त्यौहार होली की सभी को शुभकामनाएं। यह बेहद प्रसन्नता का क्षण है कि हमको होली से पहले बहराइच आने का मौका मिला है।

ओटीएस में प्रगति से तय होगा अफसरों का प्रदर्शनः श्रीकांत शर्मा

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोविड–१६ एकमुश्त समाधान योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजना के तहत बिल संशोधन की कार्रवाई में ढिलाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता की शिकायत पर तत्काल जांच कर बिल ठीक किया जाए। सभी पात्र उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिले यह सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी कहा कि योजना को प्रगति को एमडी व डायरेक्टर्स की परफर्मेंस से भी जोड़ा जाएगा। यूपीपीसीएल एमडी प्रतिदिन डिस्कम का एनर्जी ऑडिट करें। ओटीएस में दक्षिणांचल डिस्कॉम की कुल प्रगति २०.३६:, मध्यांचल की १७.२५:, पूर्वांचल की १५.७५:, पश्चिमांचल की ३५.२६: व केस्को की ५७.४०: है। जबकि योजना समाप्त होने वाली है। अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक योजना के माध्यम से डिस्कम की पहुंच अभी तक सुनिश्चित नहीं की जा सकी है। उन्होंने यूपीपीसीएल चेयरमैन से सभी डिस्कॉम की प्रगति की समीक्षा व जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हर एक उपभोक्ता को योजना का लाभ मिल जाये यह डिस्कम एमडी उपकेन्द्रवार सुनिश्चित करें। एक लाख से अधिक के बकायेदार उपभोक्ताओं के दरवाजे जरूर खटखटाये जाएं। अधिकारी उपभोक्ताओं को ओटीएस में पंजीकरण के लिए प्रेरित करें। उपकेंद्र पर काम कर रहे हर एक कार्मिक को जिम्मेदारी दी जाए। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई न हो। १६१२ के माध्यम से भी

उपभोक्ताओं को ओटीएस के लाभ बताएं। किसी भी उपभोक्ता का उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यूपीपीसीएल एमडी को निर्देशित किया कि मुख्यालय पर लंबे समय से टिके अधिकारियों के संबंध में स्थानांतरण नीति के तहत कार्रवाई करें। डिस्कॉम मुख्यालयों पर भी यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यालय का वर्क कल्चर बदला जाए। हर एक अधिकारी की परफर्मेंस उसे दिए गए काम के आधार पर तय हो। सभी को जवाबदेह बनाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि होली में निर्बाध विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित हो, इसके लिए भी अधिकारी आवश्यक व्यवस्थाएं कर लें। कहीं भी किसी भी प्रकार की कमी न रहे।

जोरो पर फलफूल रहा है अवैध रिफिलिंग का कारोबार

लखनऊ। होली की आड़ में बढ़ी डिमांड को पूरा करने के लिए अवैध रिफिलिंग के कारोबार जोरो पर फलफूल रहा है। राजधानी में सिलिंडर में घटतौली की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। डीओ सुनील सिंह के मुताबिक रस्तोगी टोला में दिनेश अवस्थी और देवेश अवस्थी सिलिंडरों से कटिंग कर गैस की कालाबाजारी कर रहे हैं। सूचना पर बाजारखाला पुलिस के साथ छापा मारा तो मौके पर घटतौली करते हुए पाया गया। मौके से दो लोग फरार होने में कामयाब हो गए। डीओ के मुताबिक दोनों फरार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी जा रही है। लंबे समय से तमाम एजेंसियां घटतौली के खेल में शामिल है लेकिन किसी पर कार्रवाई नहीं होने से सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है।२३ सिलिंडरों की बरामदगी से जाहिर है कि बिना एजेंसियों की मिलीभगत से इतने मात्रा में सिलिंडर नहीं मिल सकते।

उपशिक्षा निदेशक समेत लखनऊ में ३४७ लोग कोरोना संक्रमित

लखनऊ। कोरोना वायरस के मामले लखनऊ में दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। २४ घंटे में सचिवालय में खाद्य एवं रसद विभाग में संयुक्त सचिव समेत १४ और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पार्क रोड में उपशिक्षा निदेशक समेत लखनऊ में ३४७ लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। वहीं, दो लोगों की मौत हो गई है। तीन सप्ताह के अंदर कोरोना से होने वाली यह १३वीं मौत है। अब लखनऊ में कुल मौतों का आंकड़ा ११६६ हो गया है। लालबहादुर शास्त्री भवन एनेक्सी के तीसरे तल पर सचिवालय में संक्रमित होने वालों में संयुक्त सचिव हरिराम, छाया, रजनीश, खुर्शीद, राजीव सिंह, दशरथ, वीरेंद्र, लोकेंद्र, सूर्यनाथ उपाध्याय, अहिम, गोपीकृष्ण श्रीवास्तव, सुनीता, रामप्रसाद, आशादेवी और माशिन में उपशिक्षा निदेशक विकास श्रीवास्तव, ग्रेड–वन अफसर, श्रीराम रावत, प्रधान सहायक अजीत सिंह, प्रेम महतो, सीताराम राजवंशी, शचिंद्र मिश्रा, हरिशंकर, सोहनलाल, रवि प्रकाश, अपर शिक्षा निदेशक मंजू वर्मा, उपशिक्षा निदेशक प्रेमचंद्र वर्मा व विवेक नौटियाल, दिनेश राठौर, दीपचंद व प्रभात कुमार शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन दोनों दफ्तरों को ४८ घंटे के लिए सील कर दिया है। वहीं, एरा मेडिकल कलेज के डीन डॉ एमएम फरीदी भी वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। राजधानी स्थित अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संस्थान (आरडीएसओ) के पूरे परिसर में लगभग ५० से अधिक पजिटिव मरीज आ गए हैं। इससे परिसर को

सील कर दिया गया है। परिसर के पास ही कुछ कार्यालय व आवासीय कालोनी भी है, जिसमें महानिदेशक समेत आरडीएसओ के अधिकारी एवं कर्मचारी रहते हैं। इससे आसपास के आवासीय क्षेत्रों को जोड़ने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। यहां अब आरपीएफ कर्मियों का पहरा लगा दिया गया है। संक्रमितों की संख्या लगातार बढने से एक बार फिर नजारा लकडाउन की याद दिलाने लगा है। गली–गली बांसों की बेड़ियां जकड़ने लगी हैं। शुक्रवार को नरही में डीएम अभिषेक प्रकाश खुद बैरिकेडिंग व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग ने वैक्सीन की बर्बादी रोकने के लिए शुक्रवार से यह व्यवस्था लागू कर दी है कि आठ लोग होने पर ही कोरोना वैक्सीन की वायल खोली जाएगी। इस वजह से विभिन्न सीएचसी–पीएचसी में आखिर वक्त में इससे कम लोग होने पर बगैर टीकाकरण ही परेशान होकर लोगों को लौटना पड़ा। पिछले दिनों कोवैक्सीन की ३५ फीसद और कोविशील्ड की १५ फीसद डोज बर्बाद होने पर स्वास्थ्य विभाग को फटकार भी लगी थी। शुक्रवार को लखनऊ के विभिन्न अस्पतालों से कोरोना के ५७ मरीजों को छुट्टी दी गई। इसके अलावा ६८२१ लोगों के नमूने लिए गए। सक्रिय मरीजों की संख्या १६४८ हो गई है। तीन माह में सबसे ज्यादा एक दिन में ४२ लोग अस्पताल में भर्ती हुए। हजरतगंज २८, इंदिरानगर में २३, अलीगंज २२, आलमबाग २० व अन्य जगहों पर इससे कम संख्या में पॉजिटिव मिले।

सम्पादकीय

कोरोना के संग रंगों और भाईचारे का पर्व

देश में जिस तेजी से कोरोना संक्रमण फिर बढ़ता जा रहा है वह बेहद चिंताजनक है और यह आंकड़े आने वाले कुछ महीनों में ही भयावह स्थिति की ओर इशारा भी कर रहे हैं। इससे यह संकेत साफ हैं कि अगर हम सबने सतर्कता नहीं बरती तो फिर हालात इस कदर बेकाबू हो सकते हैं कि संक्रमण से बचना मुश्किल हो जाएगा। सोमवार को होली का पर्व है। रंगों और भाईचारे का पर्व। इसे हम सब एक–दूसरे के चेहरे को रंगकर और गले लगाकर मनाते हैं। सड़कों और गलियों में रंगबाजी होती है। बाजार में भीड़भाड़ जुटती है लेकिन क्या ऐसा नहीं हो सकता कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए हम इस बार होलिका के इस पर्व को साधारण तरह से मनाएं? क्यों न हम अपने परिवार के साथ घर पर ही रहकर सबको होली के संदेशों का आदान–प्रदान कर बधाई दें और बाकी लोगों को भी प्रेरित करें कि वह कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक और सतर्क रहें। कोरोना की पिछली लहर के दुष्परिणाम हम सब देख ही चुके हैं। पहली लहर में न जाने कितने ही लोगों की जान इस महामारी की भेंट चढ़ गई। न जाने कितनों के रोजगार–धंधे चौपट हुए। संक्रमित होने के बाद लाखों लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। अभी भी हमारा देश महामारी और उसकी वजह से लगे लकडाउन के दुष्प्रभावों से उबर नहीं पाया है कि एक बार फिर इस महामारी की दूसरी लहर सिर उठाए खड़ी है। आप भलीभांति जानते हैं कि यदि इस विश्वव्यापी महामारी ने फिर से सिर उठाया तो हालात क्या से क्या हो सकते हैं? फिर लकडाउन लगाया गया तो उसकी दुश्वारियां अलग से झेलनी होंगी इसलिए बेहतर यही होगा कि तत्काल हम सब सावधान हो जाएं। कोरोना संक्रमण से बचाव केलिए बेहद जरूरी उपाय है– दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी। इस नियम का पालन अपनी आदत में शुमार कर लें। हर हाल में इसका पालन करें। जरा भी लापरवाही न करें। यदि असावधानी हुई तो इसका खमियाजा सिर्फ आपको ही नहीं, आपके परिवार और समाज व देश को भी भुगतना पड़ेगा। हम खुद को और अपनों को ही कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रख पाते हैं तो यकीन मानिए इसका पूरे समाज और देश पर अच्छे नतीजे के रूप में देखने को मिलेगा। असल में एक–एक व्यक्ति के संक्रमण होने से जो आंकड़े बढ़ते हैं, वही देश के हालात की स्थिति की विस्फोटक रूप से पेश करते हैं, इसलिए सबसे अपील है कि आप सब होली को बेहद सावधानी से मनाते हुए मास्क और शारीरिक दूरी का पालन अनिवार्य रूप से करते रहें। होली के बाद भी सह सावधानी लगातार बनाए रखिए। आप सबको होली की मंगलकामनाएं।

यूपी में शराब माफिया पर कसा शिकंजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जहरीली शराब से लोगों की मौत की घटनाओं को सीएम सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। अवैध रूप से शराब का कारोबार करने वाले शराब माफिया पर शिकंजा कसते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे तत्वों पर गैंगस्टर लगाने का फरमान जारी किया है। सीएम योगी ने सभी आला अधिकारियों को इस बाबत सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि अवैध तरीके से शराब निर्माण कर बेचने वाले लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाया जाएगा और उनकी संपत्ति भी जब्त की जा सकती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी लोग प्रतिबंध के बावजूद भी बिना लाइसेंस के अवैध तरीके से शराब का निर्माण कर धड़ल्ले से बेच रहे हैं, उन पर कड़ी नजर रखी जाए। प्रदेश में अवैध शराब पीने की वजह से अगर एक भी व्यक्ति की मौत होती है तो न सिर्फ शराब बेचने वाले पर कड़ी कार्रवाई होगी बल्कि उस क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर भी सख्त एक्शन लिया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवैध शराब के कारोबार का समूल नाश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ऐसे कारोबारियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाने के साथ उनकी

संपत्ति भी जब्त करने का निर्णय लिया है ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार की हरकत न कर सके।अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने शराब व मादक पदार्थ के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने अवैध शराब व मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दर्ज मुकदमों में सतर्कता अधिष्ठान, सीबीसीआइडी, आबकारी व पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली है। अवस्थी ने कहा कि शराब के लाइसेंस धारकों की सघन जांच कराई जाए और सेल्समैन व अन्य कर्मचारियों की गहनता से जांच कर उनका ब्योरा रखा जाए। उन्होंने अवैध शराब व मादक पदार्थ के लंबित प्रकरणों में ठोस कार्रवाई किए जाने के साथ ही आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।यूपी सरकार के प्रयासों से आबकारी विभाग के राजस्व में भी रिकर्ड वृद्धि देखने को मिली है। राजस्व में आई तेजी से वृद्धि का प्रमुख कारण योगी सरकार की नई आबकारी नीति रही है। नई आबकारी नीति के माध्यम से बाजार को विनियमित किया गया और अवैध निर्माण से जुड़े काले कारोबार पर सख्ती से काबू पाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने हैं। जहां २०१६–१७ में आबकारी विभाग को १३,००० करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी। वहीं साल २०२०–२१ में आबकारी विभाग को २८,३४० करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई। वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१–२२ में आबकारी विभाग को ३४,५०० करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है।

बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ता और जेई में विवाद

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज के महताब बाग सब स्टेशन पर शनिवार को बिजली का कनेक्शन कराने के लिए गए उपभोक्ता का जेई मनीराम सिंह से विवाद हो गया। विवाद के दौरान उपभोक्ता ने जेई पर हमला बोल दिया। आरोप है कि जेई को जमकर पीटा और उनके कपड़े फाड़ दिए। जेई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित उपभोक्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, उपभोक्ता ने जेई पर अभद्रता व पांच हजार रुपये लूट का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की पड़ताल में लगी है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज सुनील दुबे के मुताबिक, मनीराम सिंह महताब बाग सब स्टेशन में जेई हैं। उनका आरोप है कि शनिवार दोपहर मुन्ना हाशमी उपभोक्ता पहुंचे, उन्होंने बिजली के कनेक्शन की जानकारी ली। जेई ने जानकारी देने के बाद ऑनलाइन आवेदन के लिए कहा। इसपर

उपभोक्ता ऑफलाइन आवेदन की जिद करने लगा। इस पर वह जेई के साथ गाली–गलौज करने लगा। जेई का आरोप है कि विरोध पर उपभोक्ता ने शर्ट का कालर पकड़ा और नौकरी से निकलवा देने की धमकी देते हुए लात–घूंसों से पीटने लगा। शोर सुनकर जबतक ऑफिस के कर्मचारी दौड़े आरोपित भागने लगा। इस पर सबने मिलकर आरोपित उपभोक्ता को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस पहुंची ने आरोपित हमलावर को पकड़ लिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि जेई की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है। आधिशाषी अधिकारी ज्ञान प्रकाश ने हमले ने हमले में चोटिल जेई को कर्मचारियों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वहीं, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जेई पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए थाने का घेराव किया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उपभोक्ता बेकसूर है। जेई पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कोरोना संक्रमण की वृद्धि को देखते सार्वजनिक स्थलों पर न हो भीड़ एकत्र : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यों में कोरोना संक्रमण की वृद्धि को देखते हुए पुलिस को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश। होली सहित अन्य त्योहारों एवं पंचायत चुनाव इसके बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के साथ सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ एकत्र न हो इसके लिए निर्देश दिए . मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड चिकित्सालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इन अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में चिकित्सा कर्मी, औषधि, मेडिकल उपकरण तथा बैकअप सहित अक्सीजन का समुचित प्रबन्ध हर स्थिति में उपलब्ध रहे। कोविड हेल्प डेस्क की व्यवस्था को सुचारु ढंग से संचालित किया जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन तथा हवाई अड्डों पर यात्रियों की सघन कोविड जांच की जाए। संक्रमित पाए जाने पर ऐसे व्यक्तियों के लिए क्वारंटीन की व्यवस्था करते हुए इनके इलाज का प्रबन्ध किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रतिदिन १.५० लाख से अधिक कोविड–१६ की टेस्टिंग की जाए। उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के अधिक से अधिक कॉन्टैक्ट्स को चिन्हित करते हुए ऐसे लोगों की जांच कराई जाए। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में निगरानी समितियों के माध्यम

से बाहर से आने वाले लोगों की जानकारी एकत्र की जाए। इससे संक्रमित पाए गए ऐसे लोगों को क्वारंटीन करते हुए उनके उपचार की समुचित व्यवस्था करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन सुबह कोविड चिकित्सालय में तथा शाम को इन्टीग्रेटड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में बैठक करें। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। इसके लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों के साथ–साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग किया जाए। लोगों को मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ एकत्र न होने देने के लिए पुलिस को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आर के तिवारी, ृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं सूचना नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पन्द्रह दिनों में इस तरह होगा निर्वाचन

लखनऊ। जनसंख्या के आधार पर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव की घोषणा कर दी गई है। यूपी के ७५ जिलों में चार चरणों में मतदान कार्यक्रम संपन्न होगा। उत्तर प्रदेश के पंचायतराज चुनावों को लेकर उच्चतम न्यायालय में भी पंचायत चुनाव को लेकर सुनवाई होनी है। वहां पर उच्च न्यायालय के निर्णय को चुनौती दी गई है। उच्चतम सुनवाई से पहले ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से आचार संहिता लागू कर दी गई है। उधर, प्रदेश में पंचायत की सरकार के संभावित प्रत्याशी भी प्रचार के लिए मैदान में उतर पड़े हैं। इससे गांव की सरकार से जुड़ी राजनीति तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर भी प्रचार, आरोप–प्रत्यारोप के दौर जोर पकड़ चुके हैं। चुनाव आयोग के अनुसार १५ अप्रैल को पहले चरण का मतदान होगा। दूसरा चरण १६ अप्रैल को होगा, तीसरे चरण का चुनाव २६ अप्रैल और चौथे चरण का २६ अप्रैल को निर्वाचन होगा। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी करने के बाद प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रारंभ हो गई है। दो मई २०२१ को वोटों की गिनती होगी। दो मई के बाद से प्रदेश में गांव की सरकार का काम शुरू होगा, जो कि २५ दिसंबर से बंद है। कोविड के चलते इस बार यह कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। १५ अप्रैल को पहले चरण का मतदान इन १८ जिलों में सहारनपुर, गाजियाबाद, रामपुर, बरेली, हाथरस, आगरा, कानपुर नगर, झांसी, महोबा, प्रयागराज, रायबरेली, हरदोई, अयोध्या, श्रावस्ती, संत कबीर नगर, गोरखपुर, जौनपुर, भदोही में।.१६ अप्रैल को दूसरा चरण इन २० जिलों में. मुजफ्फरनगर, बागपत,

गौतमबुध नगर, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं एटा, मैनपुरी, कन्नौज, इटावा, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, गोंडा, महाराजगंज, वाराणसी, आजमगढ़।...तीसरा चरण २६ अप्रैल २०२१ को इन २० जिलों में...शामली, मेरठ, मुरादाबाद, पीलीभीत, कासगंज, फिरोजाबाद, औरैया, कानपुर देहात, जालौन, हमीरपुर, फतेहपुर, उन्नाव, अमेठी, बाराबंकी, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, चंदौली, मिर्जापुर, बलिया।. ..चौथा व अंतिम चरण २६ अप्रैल को १७ जिलों में...बुलंदशहर, हापुड़, संभल, शाहजहांपुर, अलीगढ़, मथुरा, फरुखाबाद, बांदा, कौशांबी, सीतापुर, अंबेडकरनगर, बहराइच, बस्ती, कुशीनगर, गाजीपुर, सोनभद्र, मऊ में वोट डाले जाएंगे।...शनिवार २७ अप्रैल से नामांकन पत्रों का विक्रय होगा। प्रथम चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन तीन तथा ४ अप्रैल को होगा। द्वितीय चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन ७ और ८ अप्रैल को हो सकेगा। जहां तीसरे चरण का मतदान होना है, वहां नामांकन १३ और १५ अप्रैल को होगा। चतुर्थ चरण वाले वोटिंग जिलों में १७ और १८ अप्रैल को नामांकन होगा। बुलंदशहर की पांच ग्राम पंचायतों के औद्योगिक क्षेत्र में आने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग यहां पर चुनाव नहीं कराएगा।..निर्वाचन आयोग का कहना है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दौरान गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। चुनावों के दौरान सुरक्षा के भी तगड़े और विशेष इंतजाम रहेंगे। चुनाव को लेकर जोनल मजिस्ट्रेटों को भी निर्वाचन आयोग की ओर से खास जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

आलमबाग क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में सम्पन्न हुआ प्रेरणा ज्ञान उत्सव का कार्यक्रमे

अखिलेश दुबे

लखनऊ। आलमबाग क्षेत्र के बल्दी खेड़ा मे स्थित प्राथमिक विद्यालय मे प्रेरणा ज्ञानोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम खण्ड शिक्षाधिकारी कमलेश सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में मेंयर संयुक्ता भाटियाँ , विशिष्ट अतिथि डा बद्रीविशाल . उपस्थित रहे, । कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि मेयर संयुक्ता भाटियाँ द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गाया। विद्यालय के बच्चो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें मुख्यरुप से प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को विद्यालय की शिक्षिका द्वारा सभी को प्रेरणा लक्ष्य और उद्देश्यों को याद कराया। इस अवसर पर प्रेरक बच्चो के मिशन प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही, विद्यालयों में जिन

लोगो ने सहयोग और दान किया। उन सभो को मेयर व सचिव द्वारा सम्मानित किया गया, प्रेरक बालक एव बालिकाओ का सम्मान कुसुम रावत, रिचा गोड़, सुभाषनी रावत, प्रमाण पत्र देकर किया गया। शिक्षको में राकेश कुमार पाण्डेय, विजय शंकर श्रीवास्तव, चन्द्रकान्त मिश्रा, सुनीता सिंह, मंजूबाला राय, हेमलता उपाध्याय, आरती सिंह, विमल सरोज, अंशूमाला, शमा बेगम,को प्रेरक शिक्षक सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, अंत मे प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक प्रतिनिधि शिक्षक, प्रधानाध्यापक, इंचार्ज अध्यापक, बच्चे, अभिभावक मौजूद रहे। अध्यापकों ने बताया कि सरकार द्वारा व समय–समय पर बच्चों की शिक्षा सम्बंधित आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सहयोग राशि प्रदान करते रहते हैं मेयर द्वारा सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में काया कल्प, मानव सम्पदा, लिंग संवेदीकरण, परिवर्तित कक्षा कक्ष आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक विद्यालय के सहयोग लिए मेयर ने बताया कि हमारे ११० वार्डों के पार्षद अपनी पार्षद निधि देकर विद्यालयों को कायाकल्प करेंगे। अंत मे मिशन प्रेरणा शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में प्रेरक अभिभावक सम्मान दिए गए। शिक्षकों को प्रेरक बनाने कि इस शपथ में उपस्थित सभी शिक्षकों द्वारा विद्यालय क्रियान्वयन हेतु आश्वासन दिलाया।

नेता हरिनाम सिंह यादव की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

नेता सुरेश रावत की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में उत्तरप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर पहुंचा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से मिलने वाले लाभ के मामले में देश में प्रथम स्थान पर पहुँच गया है। केंद्र में भाजपा और प्रदेश में भाजपा सरकार (डबल इंजन की सरकार) होने के कारण लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का भी लाभ मिलने लगा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में सपा सरकार में नाम मात्र लाभार्थी, लेकिन अब च्डैठल में यूपी देश में प्रथम और पीएमजेजेबीवाई में द्वितीय स्थान पर है। एपीवाई में पिछली सरकार की तुलना में पिछले साल ३१ दिसंबर तक ३७ लाख १६ हजार ३७० अधिक लोगों को योजना का लाभ मिला है। केंद्र सरकार ने कुछ साल पहले बहुत मामूली प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना शुरू की थी. पीएमएसबीवाई का सालाना प्रीमियम मात्र १२ रुपये है. मई महीने के अंत में आपको इस प्रीमियम का भुगतान करना होता है. आपके बैंक खाते से ३१ मई को यह रकम खुद कट जाती है. यदि आपने पीएमएसबीवाई ली है तो आपको बैंक अकाउंट में बैलेंस जरूर रखना चाहिए. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का लाभ प्रदेश में अधिक से अधिक पात्रों को दिलाने के निर्देश दिए थे, जिसका परिणाम यह है कि पिछली सरकार की तुलना में सीएम योगी के चार साल के कार्यकाल में अल्प सुविधा प्राप्त और निर्धन लोगों को सबसे ज्यादा मिला है। पिछली सरकार में ३१ मई २०१७ तक पीएमजेजेबीवाई में ३१,६४,०८३ और पीएमएसबीवाई में १,२०,५६,०६६ को लाभ मिला था। जबकि योगी सरकार में कुल ३ करोड़ ३० लाख और पीएमएसबीवाई में २ करोड़ ६६ लाख, पीएमजेजेबीवाई में ६६ करोड़ ८४ लाख लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है। केंद्र सरकार की ओर से आम लोगों के जीवन बीमा के लिए पीएमजेजेबीवाई में वार्षिक प्रीमियम के रूप में ३३० रुपए प्रति वर्ष और पीएमएसबीवाई में वार्षिक

प्रीमियम के रूप में १२ रुपए प्रति वर्ष दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था कायम करना है। विशेषकर अल्प सुविधा प्राप्त और निर्धन वर्ग को जोड़ना भी है। अटल पेंशन योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। हर ऐसे व्यक्ति को वृद्धावस्था में जीवन यापन के लिए न्यूनतम धनराशि प्रतिमाह मिलती रहे इसके लिए अटल पेंशन योजना शुरू की गई है। इसका उद्देश्य नागरिकों को विशेषकर असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध करवाना है। सपा सरकार के दौरान वित्त वर्ष २०१५–१६ में अटल पेंशन योजना में मात्र २,६७,५४६ लाभार्थी थे। जबकि अब भाजपा सरकार में यह संख्या बढ़कर प्रदेश में पिछले साल ३१ दिसंबर तक ३६,८३,०१६ हो गई है। वित्तीय वर्ष २०२०–२१ में ७,६२,८१३ नए लोगों को जोड़ा गया है। ऐसे में अगर देखा जाए, तो पिछली सरकार की तुलना में ३१ दिसंबर २०२० तक ३७ लाख १६ हजार ३७० अधिक लोगों को योजना का लाभ मिला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे बांग्लादेश पहुंचे, शेख हसीना ने किया भव्य स्वागत

ढाका। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे बांग्लादेश पहुंचे, बांग्लादेश प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आज अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया। हसीना ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे

के वीवीआईपी टर्मिनल पर पूर्वाह्न ११ बजे मोदी की अगवानी की। और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को हवाईअड्डे पर बांग्लादेश सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों द्वारा गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। हवाईअड्डे पर कई मंत्री, राज्य मंत्री और उच्च पदस्थ सिविल और सैन्य अधिकारी भी मौजूद थे। पीएम मोदी सवर में स्थित राष्ट्रीय स्मारक गए जहां उन्होंने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के पीड़ितों को देश के ५०वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि अर्पित की। सवर से वह बंगबंधु मेमोरियल संग्रहालय जाएंगे और राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान के चित्र पर माल्यार्पण करेंगे। विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमन दोपहर ३.३० बजे पैन पैसिफिक सोनारगांव होटल के प्रेसिडेंशियल सुइट में मोदी से मुलाकात करेंगे। मोदी इसके बाद गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में नेशनल परेड ग्राउंड में जश्न के कार्यक्रमों में शामिल होंगे जहां उन्हें भाषण देना है। हसीना इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी जबकि राष्ट्रपति एमडी अब्दुल हामिद मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।बांग्लादेश के जनक के पारिवारिक सदस्य भी इस अवसर पर बोलेंगे। परेड ग्राउंड कार्यक्रम के बाद, दोनों प्रधानमंत्री बंगबंधु इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (बीआईसीसी) में बंगबंधु–बापू प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे, जो दो महान नेताओं के जीवन और विरासत को प्रदर्शित करेगा। शनिवार को, मोदी देवी काली को समर्पित जशोरेश्वरी मंदिर, सतखिरांड में श्यामनगर के लिए ढाका से रवाना होंगे। मोदी इसके बाद बंगबंधु समाधि परिसर में राष्ट्र के जनक को श्रद्धांजलि देने के लिए गोपालगंज के तुंगीपारा जाएंगे। वहां उनके द्वारा एक पौधा लगाने और आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करना निर्धारित है। बंगबंधु समाधि परिसर कीअपनी यात्रा के बाद, मोदी ओरकंडी ठाकुरबारी पहुंचेंगे और मतुआ मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे। मोदी मतुआ समुदाय के संस्थापक हरिचंद ठाकुर (१८१२–१८७८) को श्रद्धांजलि देंगे। ओरकंडी बांग्लादेश और भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल में रहने वाले मतुआ समुदाय के पांच करोड़ से अधिक लोगों के लिए सबसे पवित्र स्थान है। गोपालगंज से लौटने पर, भारतीय प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय में पहुंचेंगे और वार्ता करेंगे, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक होगी। दोनों प्रधान मंत्री वर्चुअल रूप से विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे।

सौ दिन तक रह सकती है कोरोना वायरस की दूसरी लहर

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर एक सौ दिन तक रह सकती है और अप्रैल के मध्य से लेकर मई के मध्य तक इसका पीक आएगा। भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की एक रिसर्च टीम ने अपने अध्ययन के बाद यह दावा किया है। एसबीआई की रिसर्च टीम का यह भी कहना है कि दूसरी लहर में २५ लाख नए केस आ सकते हैं। रिसर्च में यह दावा भी किया गया है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर फरवरी के मध्य में शुरू हुई थी। एसबीआई की रिसर्च टीम ने २३ मार्च को मिले केसेज को आधार बनाया है और इस आधार पर दावा किया है कि देश में दूसरी लहर से २५ लाख से अधिक लोग संक्रमित हो सकते हैं। वायरस की दूसरी लहर को रोकने के लिए देश के अलग अलग राज्यों में लगाए जा रहे लोकल स्तर के लॉकडाउन को बेअसर बताया गया है। इसमें कहा गया है कि लोकल स्तर पर लॉकडाउन का कोई असर नहीं होने वाला है। इसके मुताबिक बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन ही कोरोना के खिलाफ जंग जीतने का एकमात्र उपाय है। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में कोरोना वायरस की पहली लहर पीक पर थी और तब एक दिन में ६० हजार से ज्यादा केसेज आ रहे थे। एसबीआई की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि राज्यों में वैक्सीनेशन अभियान में

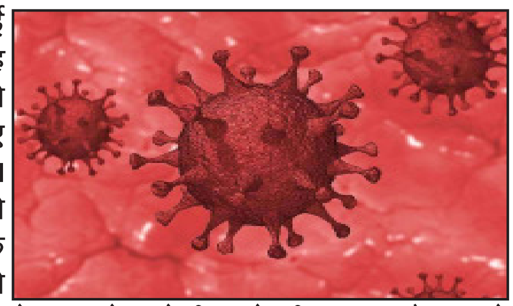

तेजी लाने की जरूरत है। इसके मुताबिक अगर मौजूदा हालात में रोजाना टीकाकरण की स्पीड को ३४ लाख से बढ़ा कर ४०–४५ लाख रोजाना किया जाए, तो तीन से चार महीने में ४५ साल और इससे ऊपर के लोगों को पूरी तरह से वैक्सीनेट किया जा सकता है। इस बीच इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा है– कोरोना की दूसरी लहर समय से पहले आ गई है। इसलिए हम सबको सचेत रहने की जरूरत है। ज्यादा से ज्यादा टेस्ट कराए जाएं, मास्क लगाना आवश्यक है। साथ ही टीकाकरण जल्दी से जल्दी पूरा किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला टाटा के पक्ष में

नई दिल्ली। टाटा और मिस्त्री के विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने टाटा समूह के पक्ष में फैसला सुनाया है। अदालत ने एनसीएलएटी के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि मिस्त्री को टाटा समूह के चेयरमैन पद से हटाने का फैसला सही था। गौरतलब है कि टाटा संस लिमिटेड और शापूरजी पलोनजी ग्रुप के साइरस मिस्त्री के बीच कई बरसों से विवाद चल रहा था। इससे पहले एनसीएलएटी ने साइरस मिस्त्री को चेयरमैन पद से हटाने के फैसले को गलत बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि शेयरों का मामला टाटा और शापूरजी पलोनजी ग्रुप दोनों मिल कर निपटाएं। चीफ जस्टिस एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला सुनाया, जिसमें जस्टिस एएस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यम भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टाटा ग्रुप के चेयरमैन रतन टाटा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने फैसले का स्वागत करते हुए कोर्ट का धन्यवाद किया और कहा कि यह कोई जीत या हार

का मामला नहीं। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में रतन टाटा ने लिखा– मेरी ईमानदारी और ग्रुप के नैतिक आचरण पर लगातार हमलों के बाद, कोर्ट द्वारा टाटा संस की सभी अपीलों को बरकरार रखने का निर्णय उन मूल्यों और नैतिकता का सत्यापन है, जो हमेशा ग्रुप के मार्गदर्शक सिद्धांत रहे हैं। यह हमारी न्यायपालिका द्वारा प्रदर्शित निष्पक्षता और न्याय को दिखाता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद १७ दिसंबर को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। गौरतलब है कि, टाटा संस ने एनसीएलएटी के १८ दिसंबर, २०१९ के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन के रूप में साइरस मिस्त्री की बहाली का आदेश दिया था। इस पर १० जनवरी २०२० को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। मिस्त्री टाटा संस के सबसे युवा चेयरमैन थे। मिस्त्री परिवार की टाटा संस में १८.४ फीसदी की हिस्सेदारी है। वो टाटा ट्रस्ट के बाद टाटा संस में दूसरे बड़े शेयरधारक भी हैं।

निकिता तोमर के हत्यारों को उम्रकैद की सजा

फरीदाबाद। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद के बहुचर्चित निकिता तोमर हत्याकांड में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने रिकार्ड पांच महीने में सुनवाई पूरी करके फैसला सुना दिया। शुक्रवार को सरताज बसवाना की फास्ट कोर्ट ने शाम करीब चार बजे दोनों दोषियों तौसीफ और रेहान को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर २०–२० हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। फैसले के बाद मृत युवती के परिजनों ने कहा कि वे फांसी की सजा की उम्मीद कर रहे थे। निकिता तोमर की हत्या की घटना पिछले साल २६ अक्टूबर की है। एकतरफा प्यार में इनकार से नाराज होकर दोषियों ने निकिता को दिनदहाड़े गोली मार दी थी। वारदात के पांच महीने बाद ठीक २६ तारीख को ही

अदालत ने अपना फैसला सुनाया। अदालत ने हत्या के मामले में आईपीसी की धारा ३०२ के तहत दोनों दोषियों को उम्रकैद और २०–२० हजार जुर्माने की सजा का आदेश दिया है। गौरतलब है कि यह मामला राजनीतिक रूप से काफी चर्चित हुआ था और कई संगठनों ने इसे सांप्रदायिक रंग देने का भी प्रयास किया था। निकिता तोमर के पिता मूलचंद तोमर और उसके रिश्तेदार अदालत के फैसले से संतुष्ट नजर आए। दोषियों को फांसी की सजा दिए जाने के मामले में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अदालत ने अपना काम कर दिया। जो भी फैसला आया है, ठीक है। हालांकि साथ ही दोनों दषियों के लिए फांसी की सजा की मांग को लेकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक जाने की बात भी कही है।

उत्तर प्रदेश में चार चरण में पंचायत चुनाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले महीने पंचायत चुनाव होंगे। चार चरण में चुनाव होगा और दो मई को वोटों की गिनती होगी। दो मई को ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे भी आएंगे। उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग ने शुक्रवार को पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। चार चरणों में होने वाले चुनाव का पहला चरण १५ अप्रैल को, दूसरा चरण १६ अप्रैल को, तीसरा २६ को और चौथा व अंतिम चरण का चुनाव २६ अप्रैल को कराया जाएगा।राज्य चुनाव आयोग के प्रमुख मनोज कुमार ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चार चरणों में पंचायत

चुनाव होंगे और सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान कराया जाएगा। दो मई को मतगणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन अप्रैल से पहले चरण की नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरे चरण का नामांकन सात से, तीसरे चरण का नामांकन १३ से और आखिरी चरण का नामांकन १७ अप्रैल से होगा।

दशकों में जो न हो पाया 4 वर्ष में कर दिखाया

कानून-व्यवस्था हुई बेहतर

- जीरो टॉलरेंस नीति से अपराधों में रिकॉर्ड गिरावट
- माफिया एवं अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित 1000 करोड़ रु. से अधिक की संपत्तियां जब्त/ध्वस्त
- उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को मंजूरी
- सी.ए.ए. के विरोध-प्रदर्शन के दौरान सरकारी सम्पत्तियों को क्षति पहुंचाने वाले व्यक्तियों से क्षतिपूर्ति वसूली
- एण्टी रोमियो स्क्वॉयड का गठन
- सभी 1535 थानों पर महिला हेल्प डेस्क की स्थापना
- महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (WCSO) का गठन
- 218 नये फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित
- उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (UPSSF) का गठन
- पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में भी एफ.आई.आर. काउन्टर
- 213 नये थानों एवं 16 परिक्षेत्रीय मुख्यालयों पर साइबर क्राइम पुलिस थानों की स्थापना
- 1 लाख 37 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती

किसान हुए खुशहाल

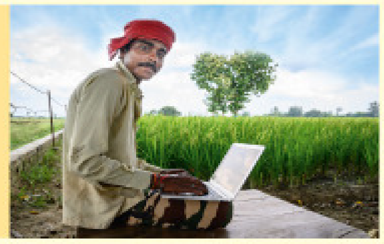

- मंडी शुल्क में 1% की कमी
- 45 कृषि उत्पाद मण्डी शुल्क से मुक्त
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में रु. 1910 करोड़ की क्षतिपूर्ति
- कृषि निवेशों पर देय रु. 1803 करोड़ की अनुदान राशि किसानों के खाते में हस्तांतरित
- रु. 3 लाख 58 हजार करोड़ का फसल ऋण वितरित
- रु. 36 हजार करोड़ से 86 लाख किसानों का ऋण माफ
- 20 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण एवं विस्तारीकरण
- बाण सागर परियोजना सहित 11 सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण कर एवं अन्य सिंचाई स्रोतों से 3.77 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि
- वरासत अभियान के अंतर्गत 8,87,617 प्रकरण निस्तारित
- स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2,09,016 घरौनी वितरित
- 5 लाख 66 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित, गोवंश रखने पर प्रति गोवंश प्रतिमाह रु. 900 की सहायता

बुनियादी सुविधाओं का विकास

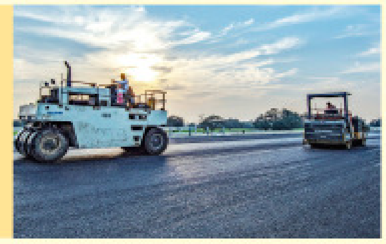

- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का तेजी से निर्माण, बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे को मंजूरी
- ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, अयोध्या एवं कुशीनगर में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट
- 8 एयरपोर्ट संचालित, 13 अन्य एयरपोर्ट एवं 7 हवाईपट्टी का विकास
- प्रदेश के 10 नगरों का भारत सरकार तथा 7 नगरों का राज्य सरकार के वित्त पोषण से स्मार्ट सिटी के रूप में विकास
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 56,862 किमी. सड़कों का निर्माण
- 3,32,804 किमी. सड़कों का गड्ढामुक्तिकरण
- 13,189 किमी. नई सड़कों का निर्माण
- 13,613 किमी. सड़कों का चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण
- 428 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण
- 1.21 लाख गांवों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति
- जिला मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील मुख्यालयों को 22 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 18-20 घंटे बिजली की आपूर्ति
- हर घर नल योजना में 30 हजार ग्राम पंचायतों को शुद्ध पेयजल

शिक्षा से खुले प्रगति के द्वार

- मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग
- बालिकाओं के लिए स्नातक स्तर तक निःशुल्क शिक्षा
- 3 नए राज्य विश्वविद्यालय, 51 राजकीय महाविद्यालय, 194 राजकीय माध्यमिक विद्यालय, 28 इंजीनियरिंग कॉलेज, 26 पॉलीटेक्निक, 79 आईटीआई, 248 इंटर कॉलेज और 771 कस्तूरबा विद्यालयों की स्थापना
- कक्षा-1 से कक्षा-8 तक के सभी बच्चों को निःशुल्क ड्रेस, जूते-मोजे, स्कूल बैग एवं पाठ्य-पुस्तकों का वितरण
- श्रमिकों के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के लिए 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना
- कोरोना कालखण्ड में विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल क्लास की व्यवस्था

स्वास्थ्य सेवाएं हुईं सुलभ

- 3 करोड़ से अधिक कोविड जांच व प्रतिदिन 1.75 लाख कोरोना जांच करने वाला देश का पहला राज्य
- 16 करोड़ लोगों की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, अब तक 35 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन
- हर रविवार सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का आयोजन, अब तक 60 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं इलाज
- पूर्वांचल में दिमागी बुखार पर नियंत्रण, मृत्यु दर में 95% तक की कमी
- 6920 एम्बुलेंस संचालित
- 47 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस सेवाएं एवं 56 जनपद चिकित्सालयों में सी.टी. स्कैन की सुविधा।
- प्रत्येक जनपद में वेंटिलेटर एवं ट्रूनेट मशीनें उपलब्ध

निवेशकों की पहली पसंद

- निवेश फ्रेण्डली 21 नीतियां लागू
- इंवेस्टर्स समिट में रु. 4.68 लाख करोड़ निवेश के एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित
- सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र' के माध्यम से 96% निवेश प्रस्तावों का निस्तारण
- रु. 3 लाख करोड़ के निवेश से परियोजनाएं शुरू
- डिफेन्स इण्डस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का निर्माण, रु. 50 हजार करोड़ का निवेश
- फिल्म सिटी से निवेश और रोजगार के बढ़ेंगे अवसर
- ओडीओपी योजनान्तर्गत 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार, निर्यात में 38% की वृद्धि
- स्वरोजगार हेतु उद्यम सारथी एप संचालित

महिला सम्मान एवं सशक्तिकरण को प्राथमिकता

- 1 लाख से अधिक महिलाओं को सरकारी नौकरी
- 58,758 महिलाओं की बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी के रूप में नियुक्ति
- मिशन शक्ति अभियान में 7.30 करोड़ लोगों को जागरुक किया गया
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से 36.16 लाख महिलाएं लाभान्वित
- 6.94 लाख बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ
- 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना में 1 करोड़ 80 लाख बेटियां लाभान्वित
- ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) परिवार की महिला सदस्य के नाम होगा
- पौत्री (पुत्र की पुत्री), भतीजी (सगे भाई की पुत्री) और भांजियों (सगी बहन की पुत्री) को भी राजस्व संहिता में भौमिक अधिकार
- महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु सेफ सिटी परियोजना

जरूरतमंदों को मिला सरकार का साथ

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 1.52 लाख निर्धन कन्याओं का विवाह
- निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों के लिए संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत 11,581 कन्याओं का विवाह
- 51 लाख से अधिक वृद्धजन, 28 लाख निराश्रित महिलाओं व 22 लाख दिव्यांगजनों को रु. 500 प्रतिमाह की पेंशन
- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 72 हजार 302 आवासों का निर्माण/स्वीकृति
- वनटांगिया/मुसहर/कोल एवं थारू समूह के 38 गांवों को राजस्व गांवों का दर्जा एवं बुनियादी सुविधाएं
- अल्पसंख्यक वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ी जाति व सामान्य वर्ग के कुल 1 करोड़ 78 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को कुल रु. 13,690 करोड़ से अधिक की पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति वितरित
- 40 लाख कामगारों की स्किल मैपिंग कर रोजगार उपलब्ध कराया गया
- 101 करोड़ से अधिक मानव दिवस सृजित कर 1.50 करोड़ श्रमिकों को रोजगार
- पी.एम. स्वनिधि योजना में 8 लाख 32 हजार स्ट्रीट वेण्डर्स आच्छादित

आस्था का सम्मान पर्यावरण के लिए अभियान

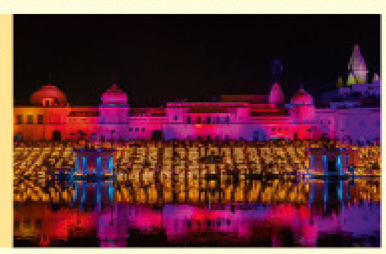

- प्रयागराज कुम्भ में 24 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं व पर्यटकों का आगमन, यूनेस्को द्वारा सराहना
- अयोध्या में दीपोत्सव, वाराणसी में देव-दीपावली, मथुरा में कृष्णोत्सव व बरसाना में रंगोत्सव का भव्य आयोजन
- काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास
- बौद्ध सर्किट के अंतर्गत श्रावस्ती, कपिलवस्तु और कुशीनगर का विकास
- रामायण सर्किट के अंतर्गत चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास
- जैन तथा सूफी सर्किट के तहत आगरा एवं फतेहपुर सीकरी में पर्यटन सुविधाओं का विकास
- कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण, तीर्थयात्रियों की अनुदान राशि रु. 50 हजार से बढ़ाकर रु. 1 लाख प्रति यात्री की गयी
- 39.42 करोड़ पौधरोपण
- गंगा के दोनों किनारों पर 9 करोड़ पौधरोपण

प्रधानमंत्री जी का विज़न हो रहा साकार | काम दमदार, योगी सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

अद्भुत जनजाति : आदमखोर जनजाति

अमरेन्द्र सहाय अमर

इस दुनिया में आदिवासियों की भी एक दुनिया बसती है जिन पर किसी भी देश का कोई कानून लागू नहीं होता है. इन बीहड़ जंगलों में इन आदिवासियों का अपना कानून , अपनी परम्परा और अपने नियम कायदे ही चलते है. अंडमान निकोबार में एक ऐसी ही जाती है सेन्टेनलीज जिनके बारे में अभी भी भारत सरकार को बहुत अधिक जानकारी नहीं है. इस आइलैंड पर जाने का मतलब है जीवन से हाथ धोना. मैं स्वयं इन आदिवासियों को दूर से देख चुका हूँ . उन दिनों मैं स्वयं अपनी ४५ दिनों की अंडमान–– निकोबार के प्रवास में वहाँ गया था. तब वहां की छ आदिवासी जनजातियों को उन पर फिल्म बनाने के दौरान समीप से देखने का अवसर मिला था. लेकिन आज मै जिस आदिवासी जनजाति की बात करने जा रहा हूँ वह दुनिया की सबसे ज्यादा खतरनाक इसलिए मानी जाती है क्योंकि इनका यही मानना है कि 'किसी दूसरे को मारे बगैर जिंदा रहने से अच्छा है खुद मर जाना'. जी हाँ यह जनजाति है मुर्सी मुर्सी जनजाति के लोग साउथ इथियोपिया और सूडान बर्डर के ओमान वैली में रहते हैं. इन लोगों की कुल आबादी लगभग १० हजार है. इस जनजाति के लोग अपनी परंपराओं को लेकर भी हमेशा चर्चा में बने रहते हैं . लोगों की बुरी नजर से बचने के लिए मुर्सी जनजाति की महिलाएं बॉडी मोडिफिकेशन की प्रक्रिया के तहत अपने निचले होंठ में लकड़ी या मिट्टी की बनी डिस्क पहनती है. लड़कियां जब १५ साल की होती हैं तो उन्हें यह डिस्क पहना दी जाती है. लिप–प्लेट के नाम से चर्चित इस बॉडी मोडिफिकेशन की वजह से यहां कि महिलाएं दुनिया भर के पर्यटकों की नजर में आकर्षण का केंद्र रहती हैं. अफ्रीका में अब बस मुर्सी, छाई और तिरमा नाम की जनजाति ही ऐसी बची हैं, जिनमें ऐसी परंपरा आज भी शेष है. ऐसा करने से उनकी सुंदरता कम हो जाती है और कम आकर्षक लगती है. १५ साल की उम्र होने पर लड़की की मां कबीले की दूसरी महिला साथियों के साथ मिलकर अपनी बेटी के निचले होंठ काट देती है जब घाव पक जाता है तब होंठ में लकड़ी का टुकड़ा फंसाया जाता है. फिर कुछ महीनों बाद उसमें १२ सेंटीमीटर की लिप डिस्क फंसा दी जाती है. यह डिस्क पूरी जिंदगी उसके होठ में लगी रहती है. मुर्सी जनजाति के लोग खुद को ताकतवर और मोटा बनाने के लिए गाय का खून पीते है. इसके आलावा मुर्सी जनजाति के मर्द आपस में डंडों से लड़ाई कराते हैं. इनका मानना है कि, जो शख्स लड़ाई जीतेगा उसे सबसे सुंदर पत्नी मिलेगी. मुर्सी जनजाति को एक चीज सबसे अलग और खतरनाक बनाती है. ये लोग आज भी अपनी पुरानी परंपरा के अनुसार जीते है, लेकिन सुरक्षा के लिए इनके पास ढेर सारे आधुनिक हथियार मौजूद होते हैं. यहां तक बताया जाता है कि इनके पास ए के – ४७ बंदूक तक पाई जाती है. मुर्सी जनजाति के लोग ए के ४७ के पुराने मॉडल को ८ से १० गाय के बदले खरीदते हैं, जबकि इसका नया मॉडल ३०–४० गाय देकर खरीदते हैं. इन हथियारों की सप्लाई इन्हें पड़ोसी देश सूडान और सोमालिया से की जाती है. इन्हीं सब बातों के चलते इस मुर्सी जनजाति को दुनिया की सबसे खतरनाक जनजातियों में से एक गिना जाता है. दरअसल मुर्सी जनजाति का मानना है की, किसी को मारे बगैर जिन्दा रहने का कोई मतलब नहीं है. इन्होने सैकड़ो लोगो की जान ली है, जो इनकी इजाजत के बगैर इनके समुदाय में आ गए थे. सन २०१२ में इन लोगो से संपर्क करने की कोशिश की थी, जो असफल रही और लगभग १२ लोगो ने अपनी जिन्दगी खो दी, जो गाइड थे. तब से वहां की सरकार ने इनसे संपर्क करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है. अब इनसे कोई नहीं मिल सकता है।

मुख्तार अंसारी को भेजा जाएगा यूपी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कुख्यात गैंगेस्टर और बसपा के विधायक मुख्तार अंसारी को उत्तर प्रदेश जेल में भेजा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से उत्तर प्रदेश की किसी जेल में शिफ्ट करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मुख्तार को उत्तर प्रदेश जेल में भेजने का आदेश देने के साथ ही यह भी कहा कि अंसारी को दो हफ्ते के अंदर उत्तर प्रदेश पुलिस के सुपुर्द कर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब प्रयागराज में सांसदों और विधायकों के मुकदमे सुनने के लिए बनी विशेष अदालत तय करेगी कि अंसारी कोबांदा जेल में रखना है या किसी और जेल में रखा जाएगा। गौरतलब है कि पिछले दो साल से ज्यादा समय से मुख्तार अंसारी पंजाब की जेल में है और उत्तर प्रदेश की पुलिस उसे अपने यहां ले जाने की जद्दोजहद में लगी है। यूपी पुलिस कई बार खाली हाथ वापस लौटी है। इससे पहले आठ जनवरी २०१६ को मोहाली के एक

बिल्डर की शिकायत पर पंजाब की पुलिस ने अंसारी के खिलाफ १० करोड़ की फिरौती मांगने का केस दर्ज किया था। इसी मामले में २१ जनवरी २०१६ को मोहाली पुलिस मुख्तार अंसारी को प्रोडक्शन वारंट पर उत्तर प्रदेश से मोहाली ले गई। २२ जनवरी को अदालत ने उसे एक दिन की रिमांड पर भेज दिया और २४ जनवरी को उसे न्यायिक हिरासत में रोपड़ जेल भेज दिया गया। पिछले दो साल में उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम आठ बार अंसारी को लेने पंजाब गई, लेकिन हर बार सेहत, सुरक्षा और कोरोना का कारण बता कर पंजाब पुलिस ने उसे सौंपने से इनकार कर दिया। पंजाब पुलिस डॉक्टर की सलाह का हवाला देती रही कि अंसारी को डिप्रेशन, शुगर, रीढ़ की बीमारियां हैं। ऐसे में उसे कहीं और शिफ्ट करना ठीक नहीं है। अंसारी ने खुद कानपुर में बिकरुकांड के आरोपी विकास दुबे के एनकाउंटर के बाद अपनी जान का खतरा बताया था, उसने पत्र लिखकर आशंका जताई थी कि जैसे दुबे की जीप पलट गई और जान चली गई, ऐसे मेरी भी जा सकती है।

डॉक्टर ने दी जान, घर के अंदर फंदे पर लटका मिला शव

लखनऊ,। ठाकुरगंज के नगरिया मोहल्ले में शादी समारोह से लौटे डेंटल डॉक्टर वसीम (३०) ने फांसी लगा ली। शुक्रवार सुबह घर के अंदर कमरे में फंदे पर उनका शव लटका मिला। शनिवार की शाम वह कानपुर में एक शादी समारोह से लौटे थे।नगरिया निवासी वसीम पुत्र वजीर डेंटल के डॉक्टर हैं। राजाजीपुरम में उनका क्लीनिक है। शुक्रवार सुबह वसीम के देर तक सोकर न उठने पर पिता वजीर कमरे में पहुंचे। कमरे में बने एक स्टोर रूम में कुंडे से चादर के सहारे फंदे पर वसीम को लटका देख उनकी चीख निकल पड़ी। चीख सुनकर दौड़े परिवारीजनों ने आनन फानन फंदे से वसीम को उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां, डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।एसीपी चौक आइपी सिंह ने बताया कि डा. वसीम की आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। परिवारीजनों ने भी अभी इस संबंध में कुछ बताया नहीं है। कई बिंदुओं पर मामले की जांच की जा रही है। उनका मोबाइल फोन भी कब्जे में ले लिया गया है। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। वहीं, वसीम के पिता वजीर ने बताया कि बेटा शादी समारोह में शामिल होने के लिए कानपुर गया था। गुरुवार शाम को लौटा। इसके बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। बेटे ने किस कारण आत्महत्या की है। इसकी उन्हें भी जानकारी नहीं है।

कक्षा ग्यारह की छात्रा ने फांसी लगा अपनी जीवन लीला समाप्त की

लखनऊ। मानक नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक छात्रा ने शुक्रवार को अपने घर में लगे पंखे के हुक में साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। बहन को फंदे पर लटका देख मृतका का भाई चीख–पुकार कर रोने लगा। रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी एकत्र हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मानक नगर कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज के मुताबिक श्यामनगर मोहल्ले के मकान संख्या ५६२६८२ में अपनी मां ज्योति वैश्य व भाई आयूष के संग रहने वाली कक्षा ग्यारह की १७ वर्षीय किशोर छात्रा आयुषी पुत्री राजू वैश्य ने अपने घर में लगे पंखे के हुक में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं मृतका के परिजनों ने बताया कि शुक्रवार सुबह मृतका आयूषि की मां दवा लेने गई थी। उस दौरान आयूषि घर पर अकेली थी भाई आयूष जरूरी काम से बाहर गया हुआ था । वहीं भाई आयूष ने वापस घर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया तो दरवाजा अंदर से बंद था खिड़की से देखा तो उसकी बहन पंखे के हुक में साड़ी के सहारे झूल रही थी। जिसकी जानकारी उसने अपनी माता ज्योति व कन्ट्रोल रूम पर पुलिस को दी।

हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक अद्भुत समाचार की ओर से सभी सुधी पाठकों को २०२१ होली की हार्दिक शुभकामनाएं

लखनऊ। सभी छेत्र व प्रदेश वासियों व समस्त सुधी पाठकों को अदभुत समाचार की ओर से बुराई की हार और अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य पर बनाए जाने वाली होली की पर्व की हार्दिक शुभ कामनाएं। मित्रों इस पर्व की एक और खासियत है कि इस दिन पुराने जमाने से कहावत चली आ रही है कि कोई भी इंसान उस जलती हुई होली के सामने प्रण लेकर अपने भीतर की बुराई को समाप्त करने का संकल्प ले लेता है। इस समाज में कई ऐसे लोग है कि जिन्होने जलती होली के सामने शपथ लेकर अपने भीतर की बुराई को समाप्त किया। जिससे कि आगे चलकर उनका भविष्य सुधर गया। मित्रों इन दिनों करोनो वाईरस का प्रकोप चल रहा है। जिससे भारतीय समाज को कोई घबराने की जरूरत नही है क्यों भारतीय समाज का खानपान और रहन सहन अन्य मुल्कों से भिन्न है। इसलिए सभी इंसान को चाहिए कि ऐसे मौकों पर अपने परमपरागत तरह से पकाकर खांए। सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाओं सहित अद्भुत समाचार हिन्दी दैनिक/ साप्ताहिक की संपादक आरती पाण्डेय सहित वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाण्डेय निश्छल, सुरेश नारायण मिश्र, सोमांक नारायण मिश्र व मो० अरशद, अमरेन्द्र सहाय, अखिलेश दुबे, लल्लन सिंह, बनवारी लाल कुशवाहा, कृष्ण कुमार शुक्ला, ईश चौहान, सौरभ कुमार, प्रियांका व संजय बाजपेई, ओपी मिश्रा, अद्भुत पाण्डेय, रिद्धिमा पाण्डेय, मुकेश शुक्ला, पवन, अभिषेक एवं समस्त समाचार परिवार।

एक्टिव केस का नया रिकार्ड

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में संक्रमण के नए नए रिकार्ड बन रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले एक हफ्ते से लगभग हर दिन पहली लहर की पीक से ज्यादा मामले आ रहे हैं। देश के १० और राज्यों में तेजी से संक्रमण फैल रहा है। इसी वजह से एक्टिव केसेज में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले छह दिन में भारत में सवा लाख के करीब एक्टिव केस बढ़े हैं। यह नया रिकार्ड है। कोरोना वायरस की पहली लहर में सबसे ज्यादा एक्टिव केस सितंबर में बढ़े थे, तब छह दिन में एक लाख केस आए थे और एक्टिव केसेज की संख्या नौ से १० लाख हो गई थी। कोरोना का संक्रमण जब पीक पर था और हर दिन ६० हजार के करीब केसेज आ रहे थे तब भी छह दिन में अधिकतम एक लाख एक्टिव केस बढ़े थे। दूसरी लहर में छह दिन में सवा लाख एक्टिव केस बढ़े हैं। वायरस से संक्रमितों

के ताजा आंकड़ों के मुताबिक २१ से २६ मार्च को बीच सवा लाख से कुछ ज्यादा एक्टिव केस बढ़े हैं। इस वजह से देश में एक्टिव केसेज यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़ कर साढ़े चार लाख के करीब पहुंच गई है। पिछले महीने यह संख्या एक लाख ३६ हजार तक आ गई थी। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर देश के एक दर्जन राज्यों में फैली है। महाराष्ट्र के अलावा गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में हर दिन संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी वायरस के नए केसेज की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। हरियाणा, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी कोरोना की संक्रमण दर बढ़ी है। आंध्र प्रदेश, जहां कोरोना लगभग खत्म हो गया था वहां भी शुक्रवार को ६८४ नए मामले आए। महाराष्ट्र के अलावा कई राज्यों में हर दिन आने वाले केसेज की संख्या दो हजार से ऊपर पहुंच गई है। शुक्रवार को गुजरात में २,१६० नए मामले आए और सिर्फ १,४२२ लोग इलाज से ठीक हुए। कर्नाटक में २,५६६ नए मामले मिले और १,२०७ लोग इलाज से ठीक हुए। पंजाब में लगातार सातवें दिन संक्रमितों की संख्या ढाई हजार के करीब रही। तमिलनाडु में शुक्रवार को १,६७१ नए मामले आए और १,१३१ लोग इलाज से ठीक हुए। केरल में १,८१५ नए संक्रमित मिले। इस बीच, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने आने वाले त्योहारों को देखते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कोरोना को ध्यान में रखते हुए जरूरी उपाय करने के लिए कहा है।

गेस्ट हाउस में ग्रामीण बैंक के कैशियर ने की आत्महत्या

लखनऊ। हजरतगंज के नरही इलाके में स्थित गेस्ट हाउस राम कृष्णा में ग्रामीण बैंक ऑफ बड़ौदा के कैशियर अभिषेक पांडेय (२८) ने आत्महत्या कर ली। कमरे के अंदर पंखे से चादर के सहारे उनका फंदे पर शव लटका मिला। पुलिस ने वीडियो ग्राफी कर दरवाजा तोड़ा और फंदे से शव को उतारा। इसके बाद फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अहम साक्ष्य जुटाए।इंस्पेक्टर हजरतगंज श्याम बाबू शुक्ला के मुताबिक सुल्तानपुर जनपद के विवेकनगर निवासी अभिषेक पुत्र जितेंद्र पांडेय ग्रामीण बैंक ऑफ बड़ौदा में कैशियर थें। बीते बुधवार को वह यहां किसी काम से आए थे और नरही स्थित गेस्ट हाउस राम ष्णा में कमरा नंबर सात में रुके थें। शनिवार सुबह उन्होंने नाश्ता आर्डर किया। वेटर नाश्ता लेकर पहुंचा। कुछ देर दरवाजा खटखटाता रहा कोई उत्तर न मिलने पर वह लौट गया। करीब एक घंटे बाद फिर वेटर गया फिर भी दरवाजा नहीं खुला और वह लौट गया। दोपहर वेटर फिर पहुंचा दरवाजा खटखटाया न खुलने पर रोशनदान से उसने अंदर देखा। कमरे में पंखे से चादर के सहारे फंदे पर शव लटका देखकर वह अवाक रह गया।घटना की जानकारी मैनेजर और पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची वीडियोग्राफी कर दरवाजा तोड़ा गया। इसके बाद फंदे से शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के कमरे से मिले फोन से उनके परिवारीजनों को सूचना दी गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि मौके से कोई सुसाइडनोट नहीं मिला है। मृतक के स्वजन जो भी तहरीर अथवा जानकारी देंगे उसके आधार पर कार्यवाही की जाएगी। मोबाइल कब्जे में ले लिया गया। उसकी पड़ताल की जा रही है।

पुणे में लग सकता है लॉकडाउन

मुंबई। कोरोना वायरस से देश में सर्वाधिक संक्रमित राज्य महाराष्ट्र में एक बार फिर लॉकडाउन लगने के आसार दिख रहे हैं। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की दूसरी लहर में पिछले एक हफ्ते से हर दिन इतने केसेज आ रहे हैं, जितने पहली लहर के पीक में भी नहीं आए थे। राज्य में गुरुवार को ३५ हजार से ज्यादा

संक्रमित मिले थे, जिसके बाद राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि लोग कोरोना रोकने के लिए जारी दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करें, नहीं तो फिर से लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है। पूरे देश में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है पर देश में आने वाले केसेज में ६० फीसदी मामले अकेले महाराष्ट्र के होते हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों में संक्रमितों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। तभी राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को पुणे में कहा– हालात बिगड़ रहे हैं, लोगों को कोरोना गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमें सख्त लकडाउन पर विचार करना होगा। अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी–चिंचवाड़ के जिलाधिकारियों और स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में पुणे प्रशासन की ओर से एक अप्रैल से लेकर १४ अप्रैल तक शहर में फिर से हार्ड लकडाउन लगाने का प्रस्ताव रखा गया, हालांकि पवार ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पुणे शहर में फिलहाल लकडाउन नहीं लगेगा, लेकिन उन्होंने कहा कि वे दो अप्रैल तक कोरोना के केस पर नजर रखेंगे और अगर संख्या इसी तरह बढ़ती रही तो फिर से इस मुद्दे पर विचार किया जाएगा। अजित पवार ने मीटिंग के बाद पत्रकारों से कहा– आज हमने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर से संपर्क किया है और उनसे पूछा है कि दोनों शहरों में ३१६ टीकाकरण केंद्र हैं, तो क्या वे इसे दोगुना कर सकते हैं? ऐसा करने से पुणे में सबसे अधिक टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा सकता है और अधिकतम नागरिकों को टीका लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जावडेकर ने मदद करने का वादा किया है।

लगातार दूसरे दिन एक हजार से अधिक कोरोना मरीज

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से गति पकड़ चुका है। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन एक हजार से अधिक कोरोना मरीज मिले। शनिवार को १०६१ मरीज सामने आए, जबकि इससे एक दिन पहले शुक्रवार को १०३२ मरीज मिले थे। वर्ष २०२१ में एक दिन में मिले मरीजों की यह सबसे बड़ी संख्या है। दिसंबर, २०२० के आखिरी हफ्ते में इससे ज्यादा रोगी मिल रहे थे। मार्च में हर दिन ज्यादा मरीज मिलने के कारण एक्टिव केस बढ़कर ६६१५ हो गए हैं। शनिवार को चार और रोगियों की मौत के साथ कोरोना से प्रदेश में अब तक कुल ८७८३ लोगों की जान जा चुकी है।शनिवार को नए मरीजों के मुकाबले फिर कम रोगी ठीक हुए। नए मिले १०६१ मरीजों के सापेक्ष केवल २५५ लोग कोरोना से ठीक हुए। रिकवरी रेट भी घटकर अब ९७.४ फीसद हो गया है। मार्च के पहले हफ्ते में यह ९८ प्रतिशत से ज्यादा था। लखनऊ में फिर सबसे ज्यादा २७३ रोगी मिले हैं। प्रदेश में

सर्वाधिक १८५६ मरीज राजधानी में ही हैं। लखनऊ समेत २० जिलों में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। जिन जिलों में संक्रमण ने रफ्तार पकड़ी है, उसमें कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा, वाराणसी, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, शाहजहांपुर, कुशीनगर, संतकबीरनगर, झांसी, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रायबरेली, उन्नाव, सुल्तानपुर, फिरोजाबाद और बलरामपुर शामिल है। प्रदेश में अब तक कुल ६.१२ लाख लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं, जिसमें ५.९६ लाख रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले २४ घंटे में १.४ लाख लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया। अब तक कुल ३.४४ करोड़ लोगों की कोरोना जांच की जा चुकी है। कोरोना रोगियों की संख्या में इस महीने लगातार इजाफा हो रहा है। बीती २८ फरवरी को प्रदेश में कोरोना के कुल २१०४ एक्टिव केस थे। मार्च के २७ दिनों में ४५११ और मरीज बढ़ गए। अब इनकी कुल संख्या ६६१५ हो गई है। ऐसे में मार्च में करीब २१४ फीसद रोगी बढ़ गए हैं।

वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज में बड़े धूमधाम से मनाया गया प्रेरणा ज्ञानोत्सव का कार्यक्रम

राकेश पाण्डेय 'निश्छल'

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मिशन प्रेरणा के तहत आयोजित प्रेरणा ज्ञानोत्सव का कार्यक्रम वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज लखनऊ में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में मेंयर संयुक्ता भाटियाँ द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। खण्ड शिक्षा अधिकारी कमलेश सिंह नें उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को माला पहनाकर व एआरपी अर्चना शुक्ला व एआरपी ज्योति बाला नें अतिथियों का स्वागत बैज अलंकरण कर किया। विशिष्ट अतिथि डा० बद्री विशाल सिंह पूर्व महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ०प्र० एवं विशिष्ट अतिथि विमलेश चन्द्र श्रीवास्तव पूर्व निजी सचिव उत्तर प्रदेश शासन नें मां सरस्वती पर पुष्प अर्पित किये व कार्यक्रम में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बच्चों को शिक्षा के बारे में सीख दी।। बच्चों को शिक्षिका एआरपी अर्चना शुक्ला द्वारा सभी को प्रेरणा लक्ष्य और उद्देश्यों को याद कराया। प्रेरणा ज्ञान उत्सव कार्यक्रम बेसिक शिक्षा विभाग का कोविड–१९ के बाद खुले विद्यालयों मे १०० दिवसीय विशेष कार्य योजना है जिसमें बच्चों को समर्थ माड्यूल के आधार पर कक्षा में उपचारात्मक शिक्षण कार्य किया जाना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गाया, बच्चो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। अपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत पावर पइंट का प्रेजेंटेशन प्रदर्शन

बीईओ के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों अभिभावक गण विद्यालय के एसएमसी अध्यक्ष व सदस्य तथा अन्य प्रबुद्ध जनों को प्रेरणा कार्यक्रम तथा प्रिंट रिच मटेरियल दीक्षा व रीड लांग ऐप लिंक संवेदीकरण मानव संपदा तथा शारदा व समर्थ जैसे कार्यक्रमों का प्रजेंटेशन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त कर चुके १० बालक व १० बालिकाओं को प्रेरक बालक व प्रेरक बालिका का सम्मान पत्र प्रदान किया गया। जिसमें बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा की छात्रा कुसुम रावत, रिचा गोड़, सुभाषनी रावत, बेसिक विद्यालय औरंगाबाद से शशि मौर्या व उतकर्ष श्रीवास्तव को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया किया गया।कड़ी को जारी रखते हुए अभिभावकों में श्रीमती लालती देवी, श्री विनय कुमार श्रीवास्तव, श्री रज्जन लाल रावत, व श्री राजकुमार रावत को प्रेरक अभिभावक का प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अध यापकों को भी सम्मानित किया गया।शिक्षको में बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा से राकेश कुमार पाण्डेय, प्रा. वि. स्कूटर इंडिया . विजय शंकर श्रीवास्तव, प्रा. वि. गिद्दनखेड़ा से चन्द्रकान्त मिश्रा, प्रा. वि. चपरूआ खेड़ा से सुनीता सिंह, बेसिक विद्यालय औरंगाबाद से मंजूबाला राय, बेसिक विद्यालय रहिमाबाद से हेमलता उपाध्याय, प्रा. वि. किलामोहम्दी नगर से आरती सिंह, प्रा. वि. मक्का खेड़ा से विमल सरोज, प्रा. वि. चित्रगुप्त नगर से अंशूमाला श्रीवास्तव, प्रा. वि. मर्दन खेड़ा से शमा बेगम, पारूल श्रीवास्तव बेसिक विद्यालय कनौसी को प्रेरक शिक्षक सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मिशन प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित विभिन्न स्कूलों द्वारा लगाए गए टीएलएम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे, विद्यालयों में जिन लोगो ने सहयोग और दान किया। उन सभो को मेयर व खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम में काया कल्प, मानव सम्पदा, लिंग संवेदीकरण, परिवर्तित कक्षा कक्ष आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक विद्यालय के सहयोग लिए मेयर ने बताया कि हमारे ११० वार्डों के पार्षद अपनी पार्षद निधि देकर विधालयों को कायाकल्प करेंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व पर्षद सौरभ सिंह मोनू ने भी पूर्ण सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक प्रभारी प्रधानाध्यापक शिक्षक संकुल नोडल शिक्षक संकुल सहित वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज के समस्त कर्मचारी दिनेश कुमार, अनिल कुमार , अभिषेक बाजपेई, रूबल मिश्रा, इन्दू अशोक , त्रिभुवन, डीएलएड प्रशिक्षु काजल पाल, ज्योति यादव, खुशबू सोनकर पूजाव अन्य लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सुमन पाण्डेय ने बाखूबी निभाया। कार्यक्रम के अंत में खण्ड शिक्षाधिकारी कमलेश सिंह ने सभी उपस्थित अतिथियों का आभार प्रकट किया तथा प्रेरणा शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। इस शपथ में उपस्थित सभी शिक्षकों द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने और विद्यालय क्रियान्वयन हेतु आश्वासन दिलाया।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

कृति सेनन की तस्वीर देख अमिताभ बच्चन हुए दिवान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी फिल्मों के साथ–साथ ही अपने बोल्ड और खूबसूरत अंदाज से भी सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में कृति ने सोशल मीडिया पर एक बेहद हॉट तस्वीर शेयर की है, जिसे देखकर उनके फैंस उनके दिवाने हुए जा रहे हैं। कृति सेनन की ये फोटो सोशल मीडिया पर चर्चा का

विषय बनी हुई है क्योंकि उनकी तस्वीरों पर किसी और ने नहीं बल्कि बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने बेहद खास कमेंट किया है। इंस्टाग्राम पर कृति सेनन की शेयर की गई इस तस्वीर में उन्होंने एक डीप नेक प्रिंटिड ड्रेस पहनी है और बड़ा ही खूबसूरत पोज दिया है। साथ ही तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, सालसा एनीवन। तस्वीर में कृति का अंदाज काफी शानदार लग रहा है, जो फैंस को पसंद भी आ रही है।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' की परेशानियां कम होती नजर नहीं आ रही

मुम्बई। संजय लीला भंसाली की फिल्मा 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की परेशानियां कम होती नजर नहीं आ रही हैं. लगातार विरोध के बीच मुंबई की मझगांव अदालत ने आलिया भट्ट, संजय लीला भंसाली और फिल्म के लेखक को समन भेजा कर हाजिर होने के आदेश दिए हैं. मुंबई की एक चीफ मेट्रोपलिटन मजिस्ट्रेट ने सभी को २१ मई को कोर्ट में हाजिर होने के लिए कहा है. बीते दिनों फिल्मम के विरोध में महाराष्ट्र विधानसभा में भी चर्चा हुई थी. कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने फिल्म के नाम का विरोध किया था. ताजा मामले में मजिस्ट्रेट ने यह समन क्रिमिनल मानहानि केस के तहत भेजा है. बाबू रावजी शाह नाम के एक शख्स ने मानहानि का यह केस दर्ज करवाया था. बाबू रावजी का दावा है कि वह गंगूबाई के गोद लिए हुए बेटे हैं. याचिकाकर्ता का कहना है कि फिल्मो के कारण उनके परिवार की बदनामी हो रही है. बाबू रावजी ने कहा है कि हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीहन्सम ऑफ मुंबई' में लिखी बातें सच नहीं हैं. ऐसे में संजय लीला भंसाली ने झूठे तथ्योंह को आधार बनाकर फिल्मन का निर्माण किया है. ऐसे में उन्होंने फिल्में के निर्देशक के साथ

ही उपन्युास के लेखक के खिलाफ भी मानहानि का दावा किया है. बाबू रावजी इससे पहले सेशंस कोर्ट भी गए थे. उन्होंने वहां फिल्म के प्रोमो और ट्रेलर पर रोक लगाने की मांग की थी. कोर्ट ने उनकी गुहार को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा नहीं किया जा सकता है, क्योंहकि किताब २०११ में रिलीज हुई थी और वह अब २०२० में शिकायत दर्ज करवा रहे हैं. कोर्ट ने हालांकि यह बात जरूर मानी थी कि बाबू रावजी शाह और उनके परिवार को किताब और प्रोमो की वजह से मानसिक परेशानी से गुजरना पड़ा है. शाह ने इस बाबत ११ दिसंबर २०२० को नागपाड़ा थाने में शध्कायत दर्ज करवाई थी. शध्कियत के बाद सभी आरोपियों को नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन सिर्फ एक आरोपी ने इसका जवाब दिया था. दिलचस्प बात यह भी है कि बाबू रावजी शाह इस बात का कोई सबूत नहीं दे पाए थे कि वह वाकई गंगूबाई के गोद लिए हुए बेटे हैं. फिल्मा के मेकर्स और लेखकों ने यह बात सामने रखी कि कैसे गंगूबाई की फैमिली के साथ कभी शाह को नहीं देखा गया है. सेशंस कोर्ट में अपनी दलील खारिज होने के बाद बाबू रावजी शाह ने क्रिमिनल ऐक्श्खन में फिल्म मेकर्स और लेखकों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा साईं आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक